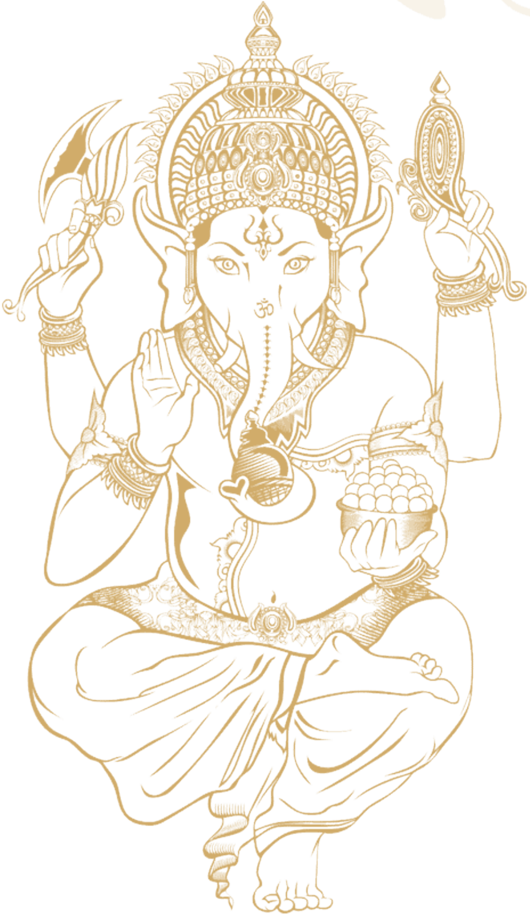

k

Vani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121306601

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/07/1988	जन्म तिथि	23/07/1994
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:05:00	जन्म समय	06:35:00 घंटे
घटी 11:18:07	जन्म समय(घटी)	02:33:48 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Sirhind
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	30:39:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:24:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:45	सूर्योदय	05:36:10
19:24:20	सूर्यास्त	19:24:34
23:41:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:06
कन्या	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
तुला	राशि	मकर
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
स्वाति	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	4
शुभ	योग	प्रीति
कौलव	करण	बालव
ता-तरुण	जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
राहु 0वर्ष 7मा 28दि	
बुध	
21/03/2024	
22/03/2041	
बुध	18/08/2026
केतु	15/08/2027
शुक्र	15/06/2030
सूर्य	22/04/2031
चन्द्र	20/09/2032
मंगल	17/09/2033
राहु	06/04/2036
गुरु	13/07/2038
शनि	22/03/2041

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
03:26:38	कन्या		लग्न		कर्क	17:41:05
06:50:52	कर्क		सूर्य		कर्क	06:11:28
19:30:35	तुला		चंद्र		मक	08:46:35
10:18:59	मीन		मंगल		वृष	19:34:47
24:38:21	मिथु		बुध		मिथु	16:52:42
06:30:16	वृष		गुरु		तुला	11:37:49
25:59:09	वृष		शुक्र		सिंह	19:23:45
03:20:39	धनु	व	शनि	व	कुंभ	17:54:09
21:20:53	कुंभ	व	राहु	व	तुला	27:35:36
21:20:53	सिंह	व	केतु	व	मेष	27:35:36
04:06:29	धनु	व	हर्ष	व	मक	00:20:33
14:31:05	धनु	व	नेप	व	धनु	27:57:08
16:03:48	तुला		प्लूटो	व	वृश्चि	01:32:40

विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 6मा 18दि	
राहु	
09/02/2012	
09/02/2030	
राहु	22/10/2014
गुरु	17/03/2017
शनि	22/01/2020
बुध	10/08/2022
केतु	29/08/2023
शुक्र	29/08/2026
सूर्य	23/07/2027
चन्द्र	21/01/2029
मंगल	09/02/2030

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:41:55 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:06

लग्न-चलित

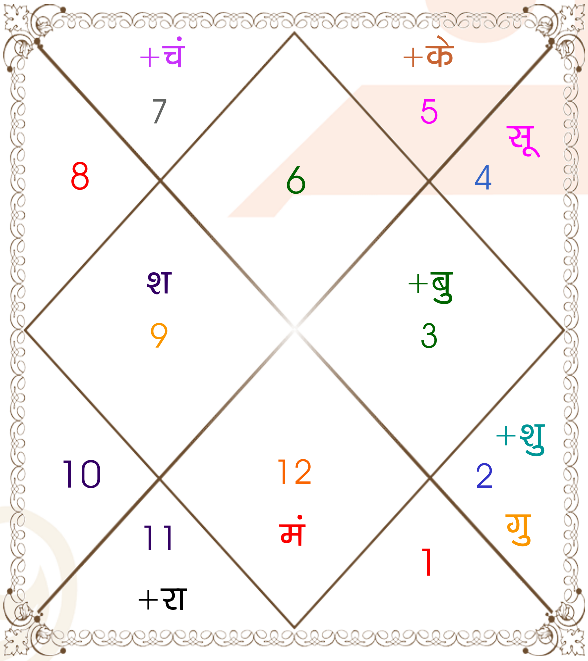

लग्न-चलित

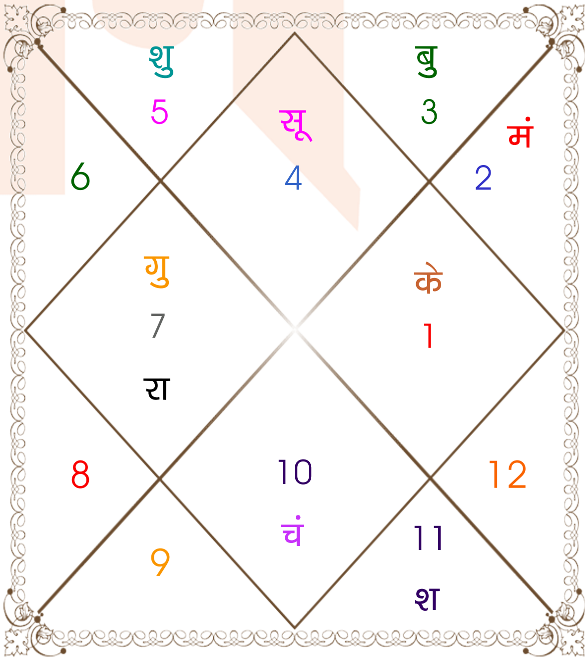

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

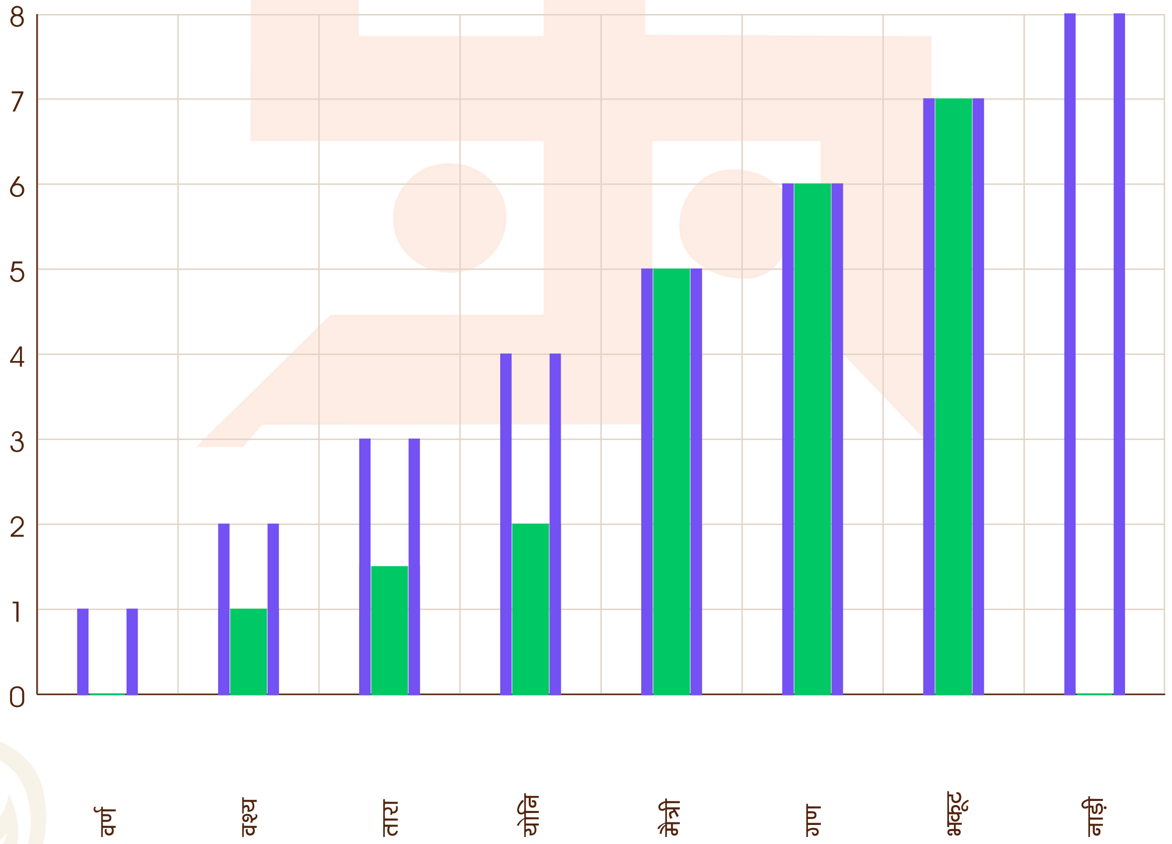

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष्k कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

k कक वर्ग सर्प है तथk Vani कk वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार k और Vani कk मिलान औसतk है।

मंगलीक दोष मिलान

k मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थितk है।

Vani मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश्k भाव में स्थितk है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर यk कन्यk की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल यk शनि हो तो मंगलीक दोष्k समाप्त हो जातk है।

क्योंकि मंगल Vani कि कुण्डली में एकादश्k भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष्k कट जातk है।

k तथk Vani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष्k न होने के कारण्k दोनों कk मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

k कk वर्ण शूद्र है तथk Vani कk वर्ण वैश्य है। क्योंकि Vani कk वर्ण k के वर्ण से ऊँचk है जिसके कारणk यह अच्छk मिलान नहीं है। Vani अति स्वार्थी तथk धन-लोलुप होगी। वह हमेशk दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Vani अपने पति, बच्चों तथk परिवार के लोगों की न तो चिन्तk करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़k करके यह हमेशk घर के लोगों कk जीनk दूभर कर सकती है।

वश्य

k कk वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Vani कk वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप k एवं Vani दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Vani अपने पति की हर आज्ञk शिरोधार्य करेगी तथk बदले में k अपनी पत्नी की देखभाल करेगk तथk उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

k की तारk क्षेम तथk Vani की तारk वधk है। Vani की तारk वधk होने के कारणk यह मिलान अच्छk मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह k एवं Vani दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकतk है। Vani अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं कk क्रम चलतk रहे। जिससे घर में दुःखk एवं पीड़k के वातावरणk कk निर्माणk हो सकतk है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथk सफलतk प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

k की योनि महिषk है तथk Vani की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनतk कk अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारणk दोनों के बीच आपसी समझबूझ कk अभाव रहेगk तथk जीवन में सहयोग की भावनk एवं प्रेम कk अभाव भी बनk रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथk परिवार में तनाव तथk अशांति कk भाव भी रह सकतk है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावनk भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावनk से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुतk कk भाव भी पैदk होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैधk संबंधk को लेकर संदेह की भावनk बन जाये जिसके कारणk पारिवारिक तनाव भी हो सकतk है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकतk है। वर यk कन्यk में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकतk है। जिसके कारणk दोनों के बीच लड़ाई झगड़k भी हो सकतk है।

इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलतk प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकतk पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलतk कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावनk है। जिसके कारणk दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़k होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नतk होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्तिk के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारणk समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनकk वैवाहिक जीवन बहुत अच्छk न रहकर निम्न सामान्य स्तर कk ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में k एवं Vani दोनों के राशिk स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिषk की दृष्टि से यदि k एवं Vani के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारणk इसे अति उत्तम मिलान मानk जातk है। जिसके कारणk k एवं Vani जीवन की हर खुशी एवं सुखk प्राप्त करने में सफल होंगे तथk इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावनk बनी रहेगी। साथk ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

k कk गणk देव तथk Vani कk गणk मनुष्य है। अर्थात दोनों कk गणk कूट मिलान हो रहk है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारणk दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे कk ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Vani अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथk महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपनk अस्तित्व बनाए रखने तथk घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों कk पूर्णरूपेणk निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

k से Vani की राशिk चतुर्थ भाव में स्थित है तथk Vani से k की राशिk दशम भाव में स्थित है जिसके कारणk यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारणk k परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठk एवं मेहनत के कारणk उन्हें सभी से प्रशंसk प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Vani घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब कk ध्यान रखने तथk बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्तिk कारणk परिवार के सदस्यों की आंखों कk तारk होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बनk रहेगा।

नाड़ी

k की नाड़ी अन्त्य है तथk Vani की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छk मिलान नहीं है। k एवं Vani की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारणk शरीर में श्लेष्मk की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावनk है। जोकि भावी दम्पत्तिk के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववशk संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमk जैसी बीमारियां तथk कमजोर स्वास्थ्य कk सामनk करनk पड़ सकतk है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

k की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुलk तथk Vani की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। अतः इसके प्रभाव से k एवं Vani कk दाम्पत्य जीवन में सामान्यतयk मतभेद रहेगk तथk परस्पर प्रेम पूर्वक रहने के लिए यत्नशील रहेंगे। अतः मिलान सामान्यतयk अनुकूल ही रहेगा।

k की राशि कk स्वामी शुक्र तथk Vani की जन्म राशि कk स्वामी शनि परस्पर मित्र राशियों में पड़ते हैं। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। इसके प्रभाव से k और Vani के मध्य सहयोग सदभाव तथk समर्पणk कk भाव रहेगk तथk सुखk दुखk में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसk करेंगे तथk कमियों की उपेक्षk करेंगे फलतः परस्पर संबधों में मधुरतk बनी रहेगी।

k और Vani की राशियां परस्पर चतुर्थ तथk दशम में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट मानk जातk है। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन में सुखk शांति रहेगी तथk k और Vani सुखk संसाधनों कk उपभोग करने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे की स्वतंत्रतk तथk अस्तित्व कk पूर्ण सम्मान करेंगे जिससे आपस में समानतk एवं सदभाव कk व्यवहार रहेगk तथk समय सुखk एवं प्रसन्नतk पूर्वक व्यतीत होगा।

k कk वश्य मानव तथk Vani कk वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में स्वाभाविक शत्रुतk होने के कारणk इनकी अभिरूचियों में असमानतk होगी। साथk ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

k कk वर्ण शूद्र तथk Vani कk वर्ण वैश्य है। अतः k किसी भी कार्य को ईमानदारी तथk परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथk Vani की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथk वणिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

k और Vani दोनों की तारk परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसकk कोई विशेषk प्रभाव नहीं होगk तथk सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगk जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमतk एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल कk भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेषk नाटकीय परिवर्तन की संभावनk नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथk ही कोई विशेषk यk अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनतk होगी तथk आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगk जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

k और Vani अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Vani पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Vani को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए k को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से k और Vani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त k और Vani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से k और Vani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार k और Vani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vani के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए Vani को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Vani को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Vani के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Vani का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे

असुविधk की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

k तथk उनकी सास के आपसी संबधों में विशेषk मधुरतk नहीं रहेगी तथk कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमतk के भाव कk प्रदर्शन कियk जाय तो इन मतभेदों में न्यूनतk आएगी तथk आपसी संबधों में मधुरतk के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान कk भाव बनk रहेगा।

लेकिन ससुर के साथk में k के संबध अच्छे रहेंगे तथk वह उन्हें अपने पितk की तरह मान सम्मान तथk सेवk कk भाव प्रदान करेंगे। साथk ही समयानुसार वह k को अपनी ओर से बहुमूल्य तथk आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथk स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही k के संबध अच्छे रहेंगे तथk उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथk ही उनसे सामंजस्य कk भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल कk दृष्टिकोणk k के प्रति अनुकूल ही रहेगा।